रूहानी छत्रछाया ही सेफ्टी का साधन है

बापदादा के पास आप सबकी याद-प्यार लेकर पहुँची तो जाते ही सामने से बहुत पावरफुल मधुर मिलन हुआ। आज तो बापदादा का स्वरूप ऐसा शक्तिशाली था जैसे ज्ञान सूर्य चारों ओर अपने शक्तियों की किरणें दे रहे हैं। कुछ समय के बाद बाबा बोले, बच्ची दुनिया के भिन्न-भिन्न विनाश लीला देख बच्चे आश्चर्यवत तो नहीं होते? बहादुर, निर्भय बन साक्षीपन की सीट पर सेट होकर ड्रामा देख रहे हैं ना? क्योंकि यह तो समय-प्रति-समय भिन्न-भिन्न रूप से हलचल बढ़नी ही है। नथिंग न्यू का पाठ पक्का है? जब होना ही है तो त्रिकालदर्शी स्थिति से देखते चलो, उड़ती कला से आगे बढ़ते चलो और दु:खी, अशान्त आत्माओं को रहमदिल बन सुख-शान्ति की अन्चली देते रहो। वृत्ति द्वारा वायुमण्डल शान्ति का फैलाते रहो। इस सेवा में बिजी रहो।

गुजरात में खिटखिट है, यह तो चलता है, कब हल्का, कब तेज होता रहेगा। अगर कहाँ ज्यादा हालत नाज़ुक है, टीचर्स बहिनें अपनी सेफ्टी

वायुमण्डल प्रमाण नहीं समझती हैं तो भले नजदीक स्थान पर शिफ्ट कर सकती हैं और सेन्टर पर कुछ मजबूत योगयुक्त अधर कुमार नहीं रह सकते तो बुजुर्ग आयु वाले भाई उनके साथ कुमार शक्तिशाली रह सकते हैं क्योंकि कर्फ्यू के कारण आना-जाना तो बन्द होता तो वह रहकर सम्भालें। लेकिन अपनी अवस्था को रूहानी छत्रछाया के अन्दर पक्का रखें तो सेफ रहेंगे। बाकी सर्व गुजरात निवासी बच्चों को खास बापदादा की शक्तिशाली याद-प्यार देना। गुजरात को भिन्न-भिन्न प्रकृति के खेल देखने का पार्ट मिला है। वह देखते रहो, अनुभवी मूर्त बनते रहो। बेफिकर बादशाह के स्वमान में सदा आगे बढ़ते रहो।

उसके बाद बाबा को शिवरात्रि का समाचार सुनाया कि सबने बहुत उमंग-उत्साह से प्रोग्राम्स बनाये हैं। बापदादा सुनते ही जैसे सब बच्चों को इमर्ज कर बहुत-बहुत प्यार दे रहे थे और यही बोले बच्चों ने अच्छे प्रोग्राम्स बनाये हैं। सबके दिल में बाप का प्यार बहुत-बहुत है तो प्यार से प्रोग्राम्स अच्छे बनाये हैं। बापदादा भी कहते बाप की जयन्ती सो हर बच्चे की जयन्ती है। इसलिए हर एक बच्चे को हीरे तुल्य जयन्ती की दिलाराम बहुत-बहुत दिल से अति स्नेह भरी, प्रेम भरी, उत्साह भरी, उड़ती कला की समर्थी भरी याद-प्यार और पदमगुणा मुबारक दे रहे हैं। हर एक ऐसे अनुभव करे कि मेरे को पर्सनल बापदादा मुबारक दे रहे हैं। डबल फारेनर्स हर बच्चा भी विशेष हर एक याद-प्यार मुबारक स्वीकार करे। साथ में आप बच्चों की सबसे साकार वतन में निमित्त प्यारी दादियाँ जो दिलाराम के दिल तख्तनशीन हैं ही, उन्हों को भी बापदादा के साथ आप सबकी तरफ से बहुत-बहुत-बहुत मुबारक हो, मुबारक हो।